

गरीबदास जी की बानी

जीवन-चरित्र सहित

जिस में

उन महात्मा की सुनो हुई अति कोमल और
भक्ति बढ़ाने वाली राखियाँ और पद रोच
कर मुख्य मुख्य अंगों और रागों
के अनुसार रक्खे गये हैं

और गूढ़ शब्दों के अर्थ व संकेत भी सरल की
कथा के साथ नीचे में लिख दिये गये हैं ।

[कोई साक्षर बिना उद्घाटन के इस पुस्तक को नहीं खोल सकते]

डुमराबाद

बेलवेडियर स्टीम प्रिंटिंग वर्क्स में प्रकाशित हुई ।

सन १९२० ई०

दुमरा प्रेसिशन ।

[दाम ॥२॥]

११७